त्रिरत्न

सच्चाई तीन रत्नों के रूप मे विराजमान है। वे ही पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटी के त्रिरत्न हैं- ध्यान, स्वाध्याय और सज्जन संगति। ये तीन रत्न ही आत्मा को अलंकृत करते है। ये ही मानव को शाश्वत मुक्ति देते ह।

(1) ध्यान- यानि श्वास पर ध्यान रखना है। फल क्या होगा- आत्मानुभव ।

(2) स्वाध्याय- यानि महान लोगो के जीवन चरित जानना। फल- विशेष ज्ञान का लाभ।

(3) सज्जन संगति यानि योगियों के अनुभव को सुनना है। फल-असंख्य मित्र लाभ।

दुनिया के सभी लोग इसी तरह त्रिरत्नों को प्राप्त करें।

शुद्ध आत्मानुभव से, अपार आत्मविज्ञान से और मित्रता के लाभ से समस्त लोगो को आनन्द से जीना चाहिए।

ध्यान शरणम् गच्छामि

स्वाध्याय शरणम् गच्छामि

सज्जन सागत्य शरणम् गच्छामि।।